वी.यू. का षष्ठम दीक्षांत समारोह – स्वर्ण पदक पाकर खिल उठे चेहरे

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय का छठवां दीक्षांत समारोह माननीय कुलाधिपति महोदय एवं राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल जी की अध्यक्षता में दिनांक 21 नवंबर 2022 को विश्वविद्यालय प्रांगण में हुआ, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि माननीय पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल जी रहे।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर सर्वप्रथम कुलाधिपति महोदय द्वारा राष्ट्र ऋषि भारत रत्न नानाजी देशमुख की प्रतिमा का अनावरण किया गया। तदुपरांत दीक्षांत यात्रा प्रांगण से प्रारंभ हो मंच पर पहुंची, जिसमें कुलाधिपति महोदय, पशुपालन मंत्री, कुलपति महोदय, पूर्व वाइस चांसलर, विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल के सदस्य, विधायक श्री इन्दु तिवारी तथा शैक्षणिक एवं कार्य परिषद के सदस्य शामिल थे। तत्पश्चात कार्यक्रम का प्रारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। कुलसचिव डॉ श्रीकांत जोशी द्वारा कुलाधिपति महोदय की अनुमति पश्चात दीक्षांत समारोह का विधिवत शुभारंभ की घोषणा के उपरांत माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति विवरण की प्रस्तुति की गई तथा मंचासीन अतिथियों द्वारा दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन हुआ। महामहिम कुलाधिपति द्वारा डॉ. आदित्य कुमार मिश्र पूर्व अध्यक्ष कृषि वैज्ञानिक

चयन मंडल भारत सरकार को मानत उपाधि से अलंकृत किया गया। माननीय कुलपति द्वारा दिक्षोपदेश में छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई तथा माननीय कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की तथा विभिन्न महाविद्यालयों की उपलब्धि शिक्षा अनुसंधान एवं विस्तार के क्षेत्र में बताए, तथा कहा प्रदेश के गरीब पशुपालकों की आय दुगनी करने तथा उनके उन्नयन हेतु विश्वविद्यालय संकल्पित है।

मान्नीय कुलाधिपति द्वारा छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान की गई जिसके अंतर्गत छात्र–छात्राओं को 13 स्वर्ण पदक सत्र 2018–19, 19–20 व 20– 21 में कृ मश भी एफ.एस.सी. में तेजेश्वरी सतपुरे, अपूर्व वर्मा, आयुषी वैद्य, बी.एफ.एस.सी. में आयुषी पांडे, आकांक्षा कुर्मी, प्रगति इनवाती, एम.वी.एस.सी. में आदित्य शर्मा, कृष्पेंद्र कुमार पांडे, मुस्कु निकिता रेड्डी, स्वर्गीय एम.आर. लक्ष्मणराव, स्वर्ण पदक तेजेश्वरी सतपुरे, अपूर्व वर्मा तथा आस्था मूलचंदानी को दिया गया। साथ ही वाइस चांसलर गोल्ड मेडल की शुरुआत पहली बार सत्र 2020– 21 की छात्रा कु मोनिशा प्रभाकरन को दिया गया। यह स्वर्ण पदक उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रदान किया गया, इसके साथ ही पी.एच.डी. में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट प्रदान की गई जिनमें काजल कुमार जाधव, अरुण मौर्य, पूनम शाक्य, शामिल हैं। इसके अलावा 968 छात्र–छात्राओं को डिग्री सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

पूर्व अध्यक्ष ए.एस.आर.बी. डॉ. आदित्य कुमार मिश्र द्वारा दीक्षांत भाषण में कहा कि नई

तकनीकों के माध्यम से पशुपालन एवं कृषि कार्यों में तेजी लाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है अनुसंधान प्रयोगों के माध्यम से इसे और अधिक आसान बनाया जा रहा है

महामहिम कुलाधिपति द्वारा अपने संबोधन में कहा कि किसी भी अनुसंधान और योजनाओं का जमीनी स्तर पर उपयोग होना ज़रूरी है, ताकि विस्तार सेवाएं आम जनमानस सहित आदिवासी ग्रामीण इलाकों में भी सरलता से पहुंच सके,

इस कार्यक्रम में श्री अभय महाजन, श्री प्रवीण गुप्ता, श्री बृजकांत तिवारी, जवाहरलाल कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार विशेन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कपिल देव मिश्रा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस चिकित्सा चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर खंडेलवाल, संस्थापक कुलपति डॉ. जी.पी. मिश्रा, डॉ. वी.के. बाजपेई, पशुपालन

विभाग जबलपुर, मत्स्य पालन विभाग जबलपुर, विश्वविद्यालय के पूर्व अधिकारी गण, वैज्ञानिक गण, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंचासीन अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम अशोक रोहाणी जी, केंट विधायक, अजय विश्नोई जी, विधायक पाटन, प्रबंधन मंडल के सदस्य शैक्षणिक प्रशासनिक परिषद के सदस्य गण विश्वविद्यालय के पूर्व अधिकारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी, डॉ. मधु स्वामी, अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा तथा दीक्षांत समारोह हेतु गठित विभिन्न समितियों के अध्यक्ष सदस्य कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं का सहयोग रहा। संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ अमिता तिवारी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर